INTERNATIONAL JOURNAL OF SCIENTIFIC INFORMATION

www.jsiinternational.com **ISSN: 2583-8512**

शोध लेख

फतेहाबाद जिले में सब्जी फसलों के उत्पादन का एक अध्ययन

आनन्द कुमार*, राजेश मलिक

भूगोल विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर–124021, रोहतक (हरियाणा)

* संबंधित लेखक

Email: **anandbhambhu19@gmail.com**

लेख प्राप्त हुआ: 28/08/24 **संसोधन दिनांक**: 5/09/24 **प्रकाशन हेतु स्वीकृत**: 18/09/24

शोध–सार:-

हरियाणा के फतेहाबाद जिले में किसान परंपरागत खेती को छोड़कर बागवानी कृषि की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। बागवानी कृषि में भी मुख्य रूप से मौसमी सब्जियों की खेती यहाँ के किसानों द्वारा की जाती है। पिछले कुछ वर्षों से फतेहाबाद जिले में सब्जी उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। शहर के आसपास के गांवों में विशेष रूप से किसानों द्वारा सब्जियां उगाई जाती है, जिसका मुख्य कारण बाजार की निकटता, परिवहन का कम खर्च और इसके साथ–साथ अन्य फसलों के मुकाबले सब्जियों की खेती से अधिक आय की प्राप्ति होना है। फतेहाबाद के क्षेत्र में लगभग सभी प्रकार की सब्जियां उगाई जाती है। जिसमें मुख्यतः आलू, प्याज, टमाटर, मूली, गाजर, फूलगोभी, हरी मिर्च, शिमला, मिर्च, भिंडी, बैंगन, अरबी, मटर, पत्तागोभी, शकरकंदी, कद्दू, खीरा, ककड़ी व लहसुन आदि शामिल है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना द्वारा किसानों को सब्जी उत्पादन में उचित सब्सिडी तथा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ–साथ हरियाणा सरकार द्वारा भी बागवानी कृषि से संबंधित अनेकों किसान हितैषी योजनाएं चलाई गई है।फतेहाबाद में कुछ किसानों द्वारा संरक्षित खेती जिसमें पॉलीहाउस, हाईटेक ग्रीनहाउस, वॉक इन टनल, पोली नेट हाउस, सब्जियों के लिए बांस स्टैकिंग, सब्जियों के लिए लोहे की स्टेकिंग आदि के माध्यम से सब्जियों की खेती की जाती है। इन विधियों द्वारा किसान मौसम के प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सब्जियों का उत्पादन करके अधिक मुनाफा कमा रहा है। यहाँ हम फतेहाबाद के क्षेत्र में अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक उगाई गई सब्जियों के क्षेत्रफल तथा उत्पादन का अध्ययन करेंगे। इसके साथ–साथ सब्जियों की खेती को प्रभावित करने वाले भौतिक और मानवीय कारकों का भी संक्षिप्त रूप से वर्णन करेंगे। सब्जियों की खेती करने के दौरान किसानों के सामने आने वाली समस्याएं तथा केंद्र और राज्य सरकार की बागवानी कृषि से संबंधित योजनाओं का वर्णन भी किया जाएगा।

मुख्य शब्द:- सब्जियाँ, किसान, बागवानी, क्षेत्रफल, उत्पादन, प्रशिक्षण।

अध्ययन का महत्त्व

फतेहाबाद के क्षेत्र में सब्जियों का उत्पादन छोटे पैमाने से लेकर बड़े पैमाने तक किया जा रहा है। लोगों के स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और भोजन के पोषण मूल्य की समझ के कारण सब्जियों की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। परंपरागत खेती को छोड़कर इस क्षेत्र के किसान सब्जियों की कृषि करके अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य फतेहाबाद के क्षेत्र में अप्रैल 2020 से मार्च 2024 के बीच उगाई गई मुख्य सब्जी फसलों के क्षेत्रफल तथा उत्पादन के उतार–चढ़ाव को देखना है।

शाकीय फसलें:-

सब्जियों और शाक की कृषि को ओलेरीकल्चर के रूप में जाना जाता है। शाकीय फसलों के उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है। भारत में सब्जियों की खेती के लिए उपजाऊ मिट्टी और अलग–अलग जलवायु परिस्थितियां विद्यमान हैं। भारत में सबसे अधिक खाई जाने वाली सब्जी आलू है, आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। हरियाणा राज्य में लगभग सभी प्रकार की सब्जी फसलें उगाई जाती है। पिछले दो दशकों से हरियाणा में सब्जियों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

फतेहाबाद जिला हरियाणा के पश्चिमी भाग में स्थित है। यहाँ की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ मिट्टी तथा सिंचाई सुविधाओं की उपलब्धता के कारण यह क्षेत्र सब्जियों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की बागवानी कृषि से संबंधित नीतियां तथा किसानों को बागवानी कृषि के लिये जागरूक और प्रशिक्षण देकर उनकी आय में वृद्धि करने का प्रयास किया जा रहा है। फतेहाबाद में उगाई जाने वाली मुख्य सब्जियां निम्न हैः–

i पत्तेदार सब्जियां – पालक, सरसों, बथुआ, पत्तागोभी, सोयामेथी।

ii फूल वाली सब्जियां – फूलगोभी, ब्रोकली।

iii बीज वाली सब्जियां – मटर, राजमा, चना, सेम।

iv जड़ वाली सब्जियां – आलू, गाजर, मूली, शलगम, प्याज, लहसुन, अरबी।

v फल वाली सब्जियां – लौकी, तोरई, भिंडी, करेला, बैंगन, शिमला मिर्च, टिंडा, ककड़ी, मशरूम, कद्दू, टमाटर आदि।

फतेहाबाद में सब्जियों को प्रभावित करने वाले कारक

किसी भी क्षेत्र में प्राकृतिक परिस्थितियों का फसलों के अनुकूल होना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ–साथ कुछ अन्य मानवीय कारक भी सब्जियों के उत्पादन पर अपना प्रभाव डालते हैं। फतेहाबाद में इन भौतिक और मानवीय कारकों का प्रभाव सब्जी फसलों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूप में देखने को मिलता है।

भौतिक कारक

i जलवायु (तापमान और वर्षा)

ii मृदा और सिंचाई सुविधाएं
iii पाला, ओलावृष्टि तथा वायु

मानवीय कारक

i बाजार की निकटता और उचित परिवहन व्यवस्था
ii मानवीय श्रम की उपलब्धता
iii कृषि यंत्रीकरण और तकनीकी विकास
iv बीज खाद और कीटनाशक की उपलब्धता
v कीट–पतंगे, दीमक और निमोटोड जैसी बीमारियां

फतेहाबाद में मुख्य सब्जी फसलों का क्षेत्रफल तथा उत्पादन

यहाँ हम फतेहाबाद कि क्षेत्र में अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक उगाई गई मुख्य सब्जी फसलों का क्षेत्रफल तथा उनके उत्पादन का वर्णन करेंगे। इसके साथ–साथ अन्य सब्जी फसलों जिसमें मुख्यतः पत्तागोभी, शिमला मिर्च, अरबी, मटर, खीरा, कद्दू भी इस क्षेत्र के किसानों द्वारा उगाई जाती है। **तालिका 1 आरेख 1**

फतेहाबाद में अप्रैल 2020 से मार्च 2021 में मुख्य सब्जियों का क्षेत्रफल तथा उत्पादन उपरोक्त तालिका में दर्शाया गया है, जिसमें हम देखते हैं कि मूली, गाजर, तथा फूल गोभी की बुआई सबसे अधिक क्षेत्र में की गई तथा उनका उत्पादन भी काफी अच्छा रहा। इसके साथ–साथ अन्य सब्जियों की खेती फतेहाबाद में किसानों द्वारा इस वर्ष के दौरान की गई, जिसमें मुख्यतः टमाटर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, मटर, खीरा, कद्दू आदि शामिल हैं। **तालिका 2 आरेख 2**

फतेहाबाद के किसानों द्वारा अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के दौरान बोई गई मुख्य सब्जी फसलों में फूलगोभी, मूली, गाजर तथा हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल है। इन सब्जियों का उत्पादन भी अच्छा रहा, जिससे किसानों को अच्छी आय की प्राप्ति हुई। इसके साथ–साथ आलू, प्याज, हरी मिर्च, भिंडी, लौकी आदि का उत्पादन भी अच्छा हुआ। **तालिका 3 आरेख 3**

इस समयकाल के दौरान अन्य वर्षों के मुकाबले सब्जियों की बुवाई का क्षेत्रफल कम हुआ, जिससे उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ा। लेकिन आलू, मूली, गाजर, फूलगोभी, भिंडी आदि का उत्पादन अच्छा रहा। इसके साथ–साथ अन्य सब्जियां जिसमें टमाटर, पत्तागोभी, बैंगन, मटर, खीरा, कद्दू आदि की बुआई भी किसानों द्वारा की गई। **तालिका 4 आरेख 4**

उपरोक्त समय काल के दौरान सब्जियों का क्षेत्रफल तथा उत्पादन सामान्य रहा। मुख्य बोई गई सब्जियों में आलू, मूली, गाजर, फूल गोभी, भिंडी तथा हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल है।

सब्जियों की खेती के दौरान आने वाली मुख्य समस्याएं

फतेहाबाद के क्षेत्र में सब्जियों की खेती के दौरान किसानों के सामने अनेकों प्रकार की समस्याएं आती है। जिससे किसान सब्जियों की खेती करने से परहेज करते हैं या एक या दो वर्ष सब्जियों की खेती करके उसे छोड़ देते हैं। इस क्षेत्र में सब्जियों की खेती के दौरान किसानों के सामने आने वाली मुख्य समस्याएं निम्न है:-

i जलवायु परिवर्तन (तापमान में वृद्धि तथा वर्षा की अनियमितता)
ii भूमि की उपजाऊ शक्ति कम होना
iii सिंचाई सुविधाओं का अभाव
iv मानव श्रम का अभाव
v शीत भंडारण की अनुपलब्धता

शाकीय कृषि संबंधी योजनाएं

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बागवानी कृषि के क्षेत्रफल तथा उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई गई है। सब्जियों की खेती के लिए निम्न सरकारी योजनएं उपलब्ध हैं:-

i मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना
ii भावांतर भरपाई योजना
iii फसल क्लस्टर विकास कार्यक्रम
iv हर खेत स्वस्थ खेत अभियान
v गुणवत्तापूर्ण सब्जी पौध की उपलब्धता
vi सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली

निष्कर्ष:-

फतेहाबाद के क्षेत्र में सब्जियों की खेती का क्षेत्रफल तथा उत्पादन पिछले कुछ वर्षों के दौरान तेजी से बढ़ा है। जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की बागवानी हितैषी नीतियां तथा इसके साथ–साथ किसानों का भी परंपरागत खेती को छोड़कर बागवानी कृषि की तरफ रुझान में बढ़ोतरी होना है। छोटे स्तर के किसानों को सब्जियों की खेती के लिए मिलने वाली सरकारी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती है। इसके साथ–साथ इस क्षेत्र में मुख्य रूप से आलू, गाजर, मूली, फूल गोभी, हरी मिर्च, प्याज, पत्तेदार सब्जियां तथा लौकी की खेती ही अधिक देखने को मिली है। सरकार द्वारा किसानों को अन्य सब्जियों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए तथा इसके साथ–साथ किसानों को समय–समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

संदर्भ–सूची :–

i सिंह, बलराज और कुमार महेश, 2004- *ग्रीन हाउस में शिमला मिर्च.* फल–फूल, 27(1): 4–6.
ii *जिला बागवानी विभाग*, फतेहाबाद, अप्रैल 2020 से मार्च 2024.
iii *इंडियन हॉर्टिकल्चर डेटाबेस*, 2011, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड.
iv *दी सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ हॉर्टिकल्चर जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर रिसर्च*, 2006.
v *हरियाणा में बागवानी विकास पर कार्य दल की रिपोर्ट*, हरियाणा किसान आयोग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, परिसर हिसार, 125004.
vi *हरियाणा में संरक्षित कृषि पर कार्य दल की रिपोर्ट*, हरियाणा किसान आयोग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, परिसर, हिसार, 125004
vii *पत्रिका, बागवानी विभाग हरियाणा*, उद्यान विभाग, सेक्टर–21 पंचकूला, 134112
viii अरोड़ा, एस, के.,भाटिया, ए, के., मंगल, जे. एल., यादव, एस. पी. एस. और कुमार, पी. 2004. *ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी फॉर*

वेजीटेबल प्रोडक्शन पर प्रयोगात्मक नियम पुस्तक, शाकीय विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, मुख्य पृष्ठ 1–84.

ix सिंह, बलराज., सिंह, अरविंद और कुमार, मुकुल 2012- *परिनगरीय क्षेत्रों में: ऐसी होगी सब्जियों की संरक्षित खेती*, फल–फूल 33(3): 3–6.

इस लेख को इस प्रकार उद्धृत करें: *कुमार आनंद और मलिक राजेश* फतेहाबाद जिले में सब्जी फसलों के उत्पादन का एक अध्ययन. *Int. J. Sci. Info. 2024; 1(9):114-122.*

सहायता का स्रोत: शून्य, हितों का टकराव: कोई घोषित नहीं

तालिका 1:- *अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

सब्जियाँ	कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में	उत्पादन मीट्रिक टन में
आलू	565	15400
प्याज़	166	270
मूली	2750	27000
गाजर	1160	19730
फूल गोभी	3007	35990
हरी मिर्च	518	985
भिन्डी	1130	3765
बैंगन	410	1085
लौकी	587	4180

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2021

आरेख 1:- *अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

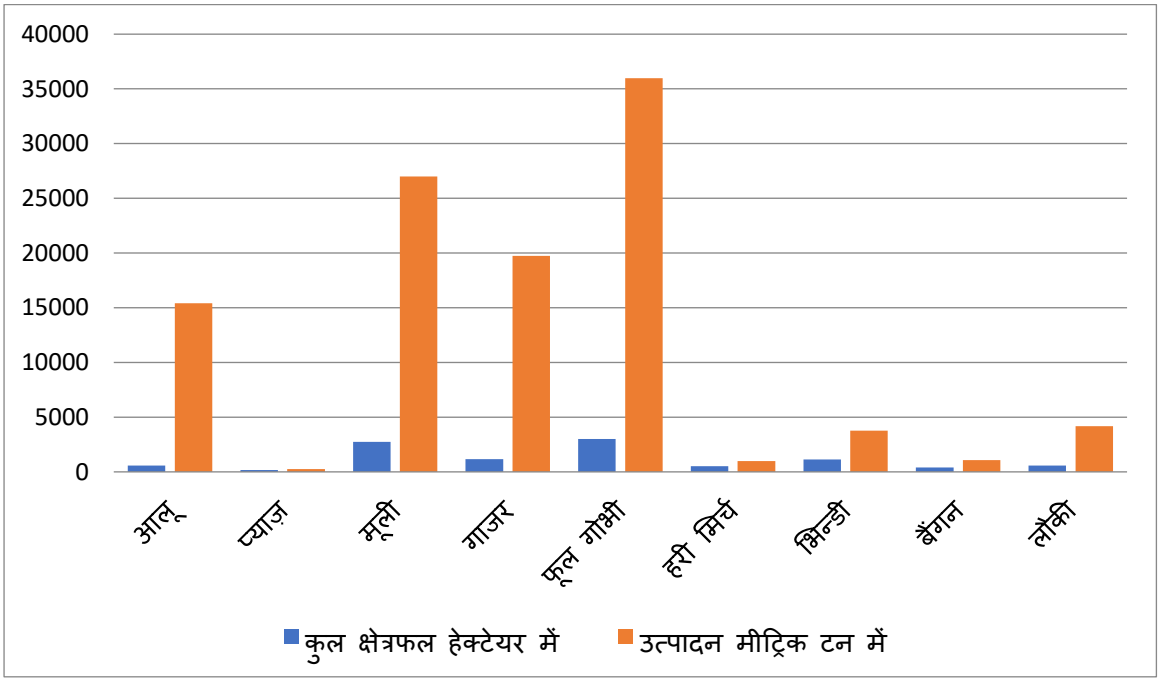

स्त्रोत: तालिका 1 पर आधारित

तालिका 2:- *अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

सब्जियाँ	कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में	उत्पादन मीट्रिक टन में
आलू	540	14200
टमाटर	138	875
मूली	1660	4950
गाजर	1227	15050
फूल गोभी	2695	33070
हरी मिर्च	305	1575
भिन्डी	482	3905
पत्तेदार सब्जियाँ	680	2490
लौकी	317	3155

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2021 से मार्च 2022

आरेख 2:- *अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पाद*

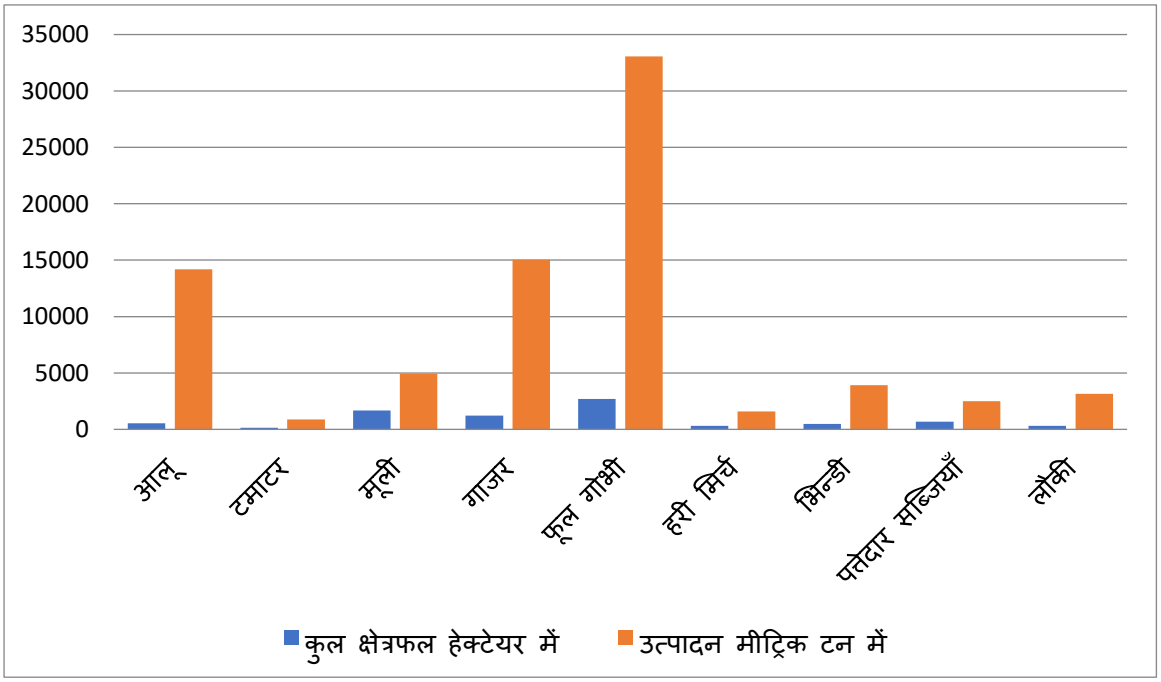

स्त्रोत: तालिका 2 पर आधारित

तालिका 3:- *अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

सब्जियाँ	**कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में**	**उत्पादन मीट्रिक टन में**
आलू	620	15708
प्याज़	112	3035
मूली	1505	14705
गाजर	1250	21658
फूल गोभी	3000	36153
हरी मिर्च	175	1420
भिन्डी	483	7350
पत्तेदार सब्जियाँ	810	1730
लौकी	285	5132

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2022 से मार्च 2023

आरेख 3:- *अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

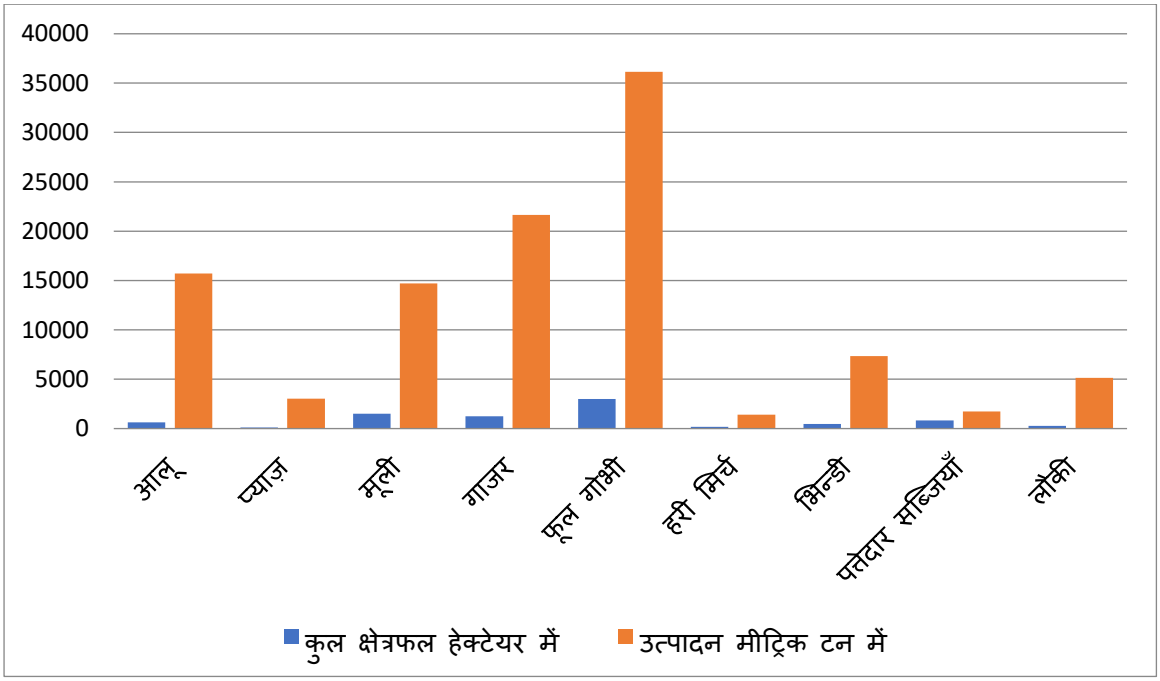

स्त्रोत: तालिका 3 पर आधारित

तालिका 4:- *अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

सब्जियाँ	कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में	उत्पादन मीट्रिक टन में
आलू	858	20210
प्याज़	192	2960
मूली	1565	12380
गाजर	710	12080
फूल गोभी	1800	14380
हरी मिर्च	222	1058
भिन्डी	695	7060
पत्तेदार सब्जियाँ	855	4330
लौकी	302	3270

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2023 से मार्च 2024

आरेख 4:- *अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान फतेहाबाद में सब्जी फसल का उत्पादन*

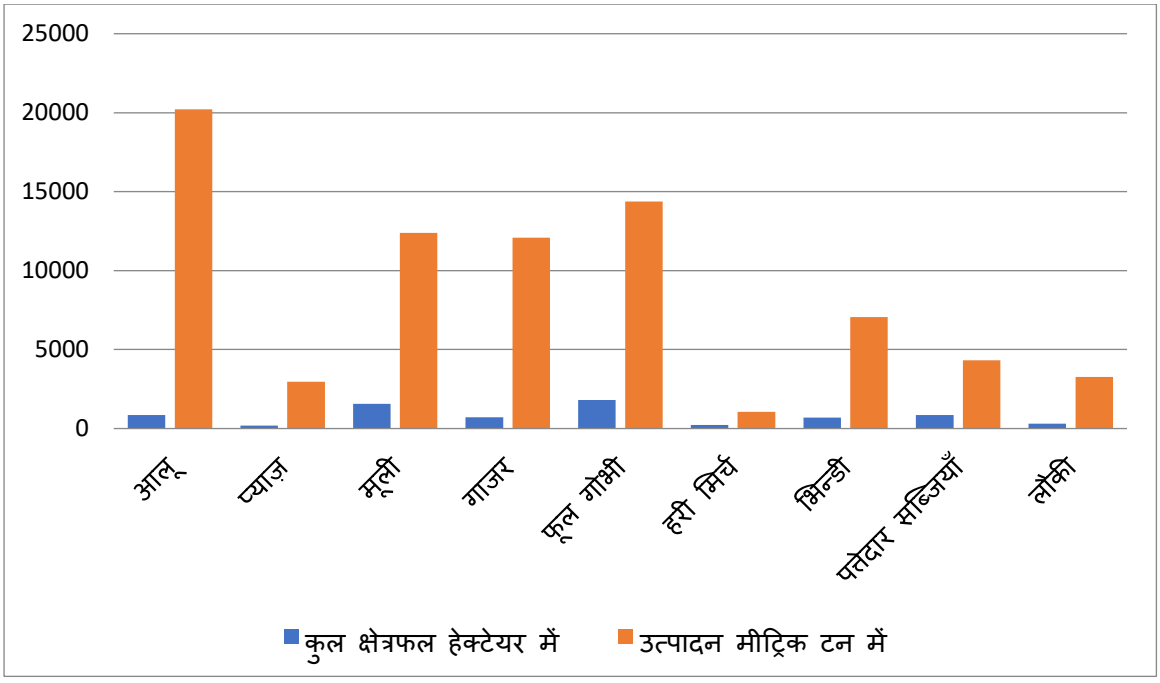

स्त्रोत: तालिका 4 पर आधारित